# अभ्यास



## मौखिक प्रश्न

उत्तर दीजिए।

क. राजा रत्न सिंह कहाँ जा रहे थे? युद्ध पर

ख. राजकुमारी पीछे खड़ी क्या कर रही थी? राजा और सेनापति की बातें सुन रही थी।

ग. गुप्तचरों ने किसको संदेश दिया? राजकुमारी रत्नावली को

घ. थैली में क्या था? सोने की मोहरें



## लिखित प्रश्न

1. सही उत्तर पर ✓ लगाइए।

क. यवनों द्वारा किले को घेरने का संदेश कौन लाया?

- [ ] सेनापति
- [x] गुप्तचर
- [ ] सैनिक

ख. किले के कितने दरवाज़े थे?

- [ ] पाँच
- [x] सात
- [ ] दो

2. रिक्त स्थानों को भरिए।

क. यवन किले के भीतर प्रवेश करना चाहते थे।

ख. तुरंत ही सातों दरवाज़े बंद कर दिए गए।

ग. रात के वक्त बहुत ही सख्त पहरा लगा दिया जाता था।

घ. यवन-सेना उस सुरंगनुमा रास्ते में कैद होकर रह गई।

3. किसने कहा, किससे कहा?

| | किसने कहा? | किससे कहा? |
|---|---|---|
| क. "क्या हुआ महाराज, आप किस चिंता में पड़ गए?" | सेनापति ने | राजा रत्न सिंह से |
| ख. "भगवान तुम्हारी रक्षा करे और तुम्हें शक्ति दे!" | राजा रत्न सिंह ने | राजकुमारी रत्नावली से |
| ग. "तुम पहला और दूसरा दरवाज़ा खोल दो।" | राजकुमारी रत्नावली ने | किले के पहरेदार से |
| घ. "आप निश्चिंत होकर युद्ध में जाइए।" | राजकुमारी रत्नावली ने राजा रत्न सिंह से | राजा रत्न सिंह से |



Scanned with CamScanner

4. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

राजा रत्न सिंह ने कहा,"वह सब तो ठीक है सेनापति, लेकिन रत्नावली फिर भी बच्ची और अनुभवहीन है। तुम भी जानते हो कि आज हमें चारों ओर से यवनों के हमले का भय बना रहता है। यवनों को जब ज्ञात होगा कि मैं राज्य में नहीं हूँ और पीछे रक्षा करने वाला भी कोई नहीं है, तो वे तुरंत आक्रमण कर देंगे। ऐसे में क्या रत्नावली उनका मुकाबला कर सकेगी?"

क. राजा रत्न सिंह रत्नावली को कैसा मानते थे? एक बच्ची और

राजा रत्न सिंह रत्नावली को अनुभवहीन मानते थे।

ख. राजा रत्न सिंह को किसके आक्रमण का भय था?

राजा रत्न सिंह को यवनों के आक्रमण का भय था।

ग. किस परिस्थिति में यवन आक्रमण कर सकते थे?

राजा के राज्य में न रहने की परिस्थिति में यवन आक्रमण कर सकते थे।

घ. राजा रत्न सिंह किससे बात कर रहे हैं?

राजा रत्न सिंह सेनापति से बात कर रहे थे।

5. उत्तर लिखिए।

क. राजा रत्न सिंह को किस बात की चिंता थी?

राजा रत्न सिंह को यह चिंता थी कि जब वे युद्ध पर चले जाएँगे तब उनके राज्य की रक्षा कौन करेगा।

ख. सेनापति ने राजा रत्न सिंह को किन शब्दों में सांत्वना दी?

नापति ने राजा रत्न सिंह को सांत्वना देते हुए कहा – "आप सा क्यों सोचते हैं, महाराज? आपने तो राजकुमारी रत्नाव को विधिवत सैनिक शिक्षा भी दी है। हमारे पीछे ... की ...

ग. राजा रत्न सिंह को सेनापति की किस बात से तस...

ति ने राजा रत्न सिंह को सा... राज

ो अपनी राजकुमारी पर पू... रक्षा

घ. राजा रत्न सिंह ने रत्नावली को ...

ा रत्न सिंह ने रत्नाव... भगवान

म्हारी रक्षा करे...

4. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

राजा रत्न सिंह ने कहा, "वह सब तो ठीक है सेनापति, लेकिन रत्नावली फिर भी बच्ची और अनुभवहीन है। तुम भी जानते हो कि आज हमें चारों ओर से यवनों के हमले का भय बना रहता है। यवनों को जब ज्ञात होगा कि मै राज्य में नहीं हूँ और पीछे रक्षा करने वाला भी कोई नहीं है, तो वे तुरंत आक्रमण कर देंगे। ऐसे में क्या रत्नावली उनका मुकाबला कर सकेगी?"

क. राजा रत्न सिंह रत्नावली को कैसा मानते थे? एक बच्ची और
राजा सिंह रत्नावली को अनुभवहीन मानते थे।

ख. राजा रत्न सिंह को किसके आक्रमण का भय था?
राजा रत्न सिंह को यवनों के आक्रमण का भय था।

ग. किस परिस्थिति में यवन आक्रमण कर सकते थे?
राजा के राज्य में न रहने की परिस्थिति में यवन आक्रमण कर सकते थे।

घ. राजा रत्न सिंह किससे बात कर रहे है?
राजा रत्न सिंह सेनापति से बात कर रहे थे।

5. उत्तर लिखिए।

क. राजा रत्न सिंह को किस बात की चिंता थी?
राजा रत्न सिंह को यह चिंता थी कि जब वे युद्ध पर चले जाएँगे तब उनके राज्य की रक्षा कौन करेगा।

ख. सेनापति ने राजा रत्न सिंह को किन शब्दों में सांत्वना दी?
सेनापति ने राजा रत्न सिंह को सांत्वना देते हुए कहा - "आप ऐसा क्यों सोचते है, महाराज? आपने तो राजकुमारी रत्नावली को विधिवत सैनिक शिक्षा भी दी है। हमारे पीछे वे किले की रक्षा करने में पूरी तरह समर्थ हैं।

ग. राजा रत्न सिंह को सेनापति की किस बात से तसल्ली हुई?
सेनापति ने राजा रत्न सिंह को साहस बँधाते हुए कहा, "हाँ महाराज, मुझे तो अपनी राजकुमारी पर पूरा-पूरा भरोसा है कि वे किले की रक्षा अवश्य कर लेंगी।

घ. राजा रत्न सिंह ने रत्नावली को किन शब्दों में आशीर्वाद दिया?
राजा रत्न सिंह ने रत्नावली को आशीर्वाद देते हुए कहा- "भगवान तुम्हारी रक्षा करे और तुम्हे शक्ति दे!"



Scanned with CamScanner

ङ. राजकुमारी ने यवनों को पीछे हटाने के लिए क्या किया?

राजकुमारी ने यवनों को पीछे हटाने के लिए अपने सैनिकों के साथ मिलकर उनके ऊपर गरमा-गरम तेल और पत्थरों की मार की और उन्हें पीछे हटा दिया।

6. सुनो और लिखो।

जैसलमेर विधिवत समर्थ अनुभवहीन आक्रमण आशीर्वाद गुप्तचर चमत्कार

## सोचो और बताओ

चिंता हमारी हार का कारण क्यों होती है?

चिंता हमारी हार का कारण इसलिए होती है, क्योंकि इससे हमारा ध्यान हमारे लक्ष्य से भटक जाता है और दूसरा ध्यान उस बिंदु पर रहता है, जिसकी चिंता हम कर रहे होते हैं और जो हमारे वश में नहीं होता है। इसलिए हमें सदैव अपने लक्ष्य की ओर अपना पूरा-पूरा ध्यान रखना चाहिए और किसी बात की व्यर्थ चिंता नहीं करनी चाहिए।

## भाषा बोध

1. संक्षिप्त करके नया शब्द बनाइए।

| | | | |
|---|---|---|---|
| क. राजा की कुमारी | राजकुमारी | ख. सर्व को प्रिय | सर्वप्रिय |
| ग. महान है जो राजा | महाराज | घ. खाने और पीने | खाने-पीने |
| ङ. चिंता से ग्रस्त | चिंताग्रस्त | च. रात और दिन | रात-दिन |

कई शब्दों को संक्षिप्त करके नया शब्द बनाने की प्रक्रिया समास कहलाती है।

2. इन समस्तपदों का विग्रह करके लिखिए।

| | | | |
|---|---|---|---|
| क. सेनापति | सेना का पति | ख. टूट-फूट | टूट और फूट |
| ग. अनुभवहीन | अनुभव से हीन | घ. राजपुत्र | राजा का पुत्र |
| ङ. रातोंरात | रात-ही-रात में | च. घुड़सवार | घोड़े पर सवार |
| छ. यवन-सेना | यवनों की सेना | ज. देशभक्ति | देश के लिए भ |

समस्तपद का विग्रह करके लिखना समास-विग्रह कहलाता है।



Scanned with CamScanner

3. अनुस्वार या अनुनासिक लगाकर शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

क. मुह — मुँह
ख. हा — हाँ
ग. तुरत — तुरंत
घ. अदर — अंदर
ङ. सधि — संधि
च. थैलिया — थैलियाँ

4. दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए।

क. सुख — दुःख
ख. युद्ध — शांति
ग. पीड़ा — आराम
घ. अनुभवी — अनुभवहीन
ङ. हार — जीत
च. समर्थ — असमर्थ

5. दिए गए शब्दों के समानार्थी रूप लिखिए।

क. चिंता — परेशानी
ख. रक्षा — बचाव
ग. आक्रमण — हमला / चढ़ाई
घ. भरोसा — विश्वास
ङ. हिम्मत — साहस
च. आज्ञा — आदेश / हुक्म

6. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

क. सेना का नेतृत्व करने वाला — सेनापति
ख. छिपकर टोह लेने वाला — गुप्तचर
ग. सेना या फौज का सिपाही — सैनिक
घ. पहरा देने वाला — पहरेदार
ङ. जिसे कोई अनुभव न हो — अनुभवहीन

## सुनना और बोलना

शिक्षक इन पंक्तियों का कक्षा में वाचन करें। इनपर आधारित प्रश्न बनाएँ और शिक्षार्थियों से
का उत्तर देने को कहें।

'जैसलमेर का किला' नाम से प्रसिद्ध इस किले का निर्माण 1156 में रावल जैसल द्वारा किया गया था
मेर और मेरु का अर्थ होता है—दुर्ग, इस प्रकार जैसलमेर का अर्थ हुआ जैसल का दुर्ग। इसमें सुंदर ह
और जैन मंदिरों के समूह हैं। यह किला 80 मीटर ऊँची त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित है। इस किले के 99
हैं। पीली रेत तथा पीले पत्थर से बना यह किला सूर्यास्त के समय सोने-सा चमकता है। यह किला अ
भव्य और विशाल है। यह अपनी वास्तुकला की दृष्टि से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है।



Scanned with CamScanner

## कल्पना

यदि किले का पहरेदार भ्रष्ट होता, तो किले का भविष्य क्या होता?

यदि किले का पहरेदार भ्रष्ट होता, तो सोने की मोहरों के लालच में वह महलों के सभी दरवाजे खोल देता ~~और बस~~ जिससे यवनों की सेना राजकुमारी रत्नावली को बंदी बनाकर उनके महल पर अपना अधिकार जमा लेती। इसप्रकार राजा रत्न सिंह का राज्य यवनों द्वारा हड़प लिया जाता।

## कार्यकलाप

1. भारत में बहुत-से किले हैं। कुछ किलों के बारे में जानकारी एकत्रकर एक परियोजना तैयार कीजिए।
2. इस किले को पहचानिए और इसके ऐतिहासिक महत्व के बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।

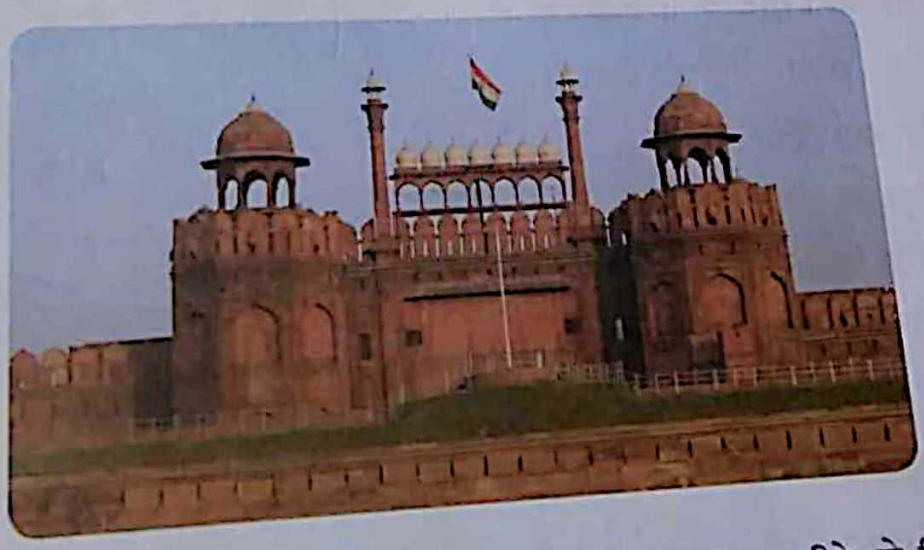

किसी कार्य को अपने अनुकूल या पक्ष में करने के लिए अनुचित तरीके से दिया जाने वाला धन घूस कहलाता है। इसे रिश्वत भी कहते हैं। यह भ्रष्टाचार का मूल कारण है। भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए आप क्या कर सकते हैं?

'बूटोंवाले डिब्बों' से किला बनाइए।

## ज्ञान विस्तार

Scanned with CamScanner